National Conference on Latest Innovations in Engineering, Science, Management and Humanities (NCLIESMH – 2024)

26th May, 2024, Raipur, Chhattisgarh, India.

CERTIFICATE NO : NCLIESMH /2024/C0524528

राम रामचरित में शिव-पार्वती संवाद का अध्ययन

Ram Swroop

Research Scholar, Ph. D. in Hindi
Mansarovar Global University, Sehore, M.P., India.

सारांश

रामचरितमानस में शिव-पार्वती संवाद का अत्यधिक महत्व है, जो न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानव जीवन के गहरे मानसिक और आत्मिक पक्षों को उजागर करता है। इस संवाद में देवी पार्वती भगवान शिव से श्रीराम की महिमा और उनके आदर्शों के बारे में प्रश्न करती हैं। पार्वती माँ शिव से पूछती हैं कि श्रीराम का गुण क्या है, जो उन्हें इतना विशेष बनाता है। इस पर भगवान शिव उन्हें बताते हैं कि राम एक ऐसे अवतारी पुरुष हैं जिनमें सभी गुण परिपूर्ण रूप से समाहित हैं। वे आदर्श पुरुष हैं, जिन्होंने धर्म, न्याय, और सत्य का पालन करते हुए समाज की भलाई के लिए जीवन यापन किया। भगवान शिव पार्वती को यह भी बताते हैं कि राम का जीवन सच्चे भक्तिवाद और कर्तव्य की साक्षात मिसाल है। यह संवाद जीवन के उद्देश्य, धर्म, और आदर्शों को समझने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रस्तुत करता है। शिव-पार्वती संवाद से यह भी सिखने को मिलता है कि भगवान श्रीराम की उपासना, उनके आदर्शों का अनुसरण, और उनके मार्ग पर चलना ही जीवन का सर्वोत्तम उपाय है।